http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2024) वर्ष 4, अंक 10, 15-16

Article ID: 393

बीज तथा अनाजो के भण्डारण में कीट प्रबन्धन

डॉ.रचना[1]
अनीता केरकेट्टा[2]

[1]सस्य विभाग शुआट्स, प्रयागराज
[2]सब्जी विज्ञान विभाग,
उद्यानिकी महाविद्यालय एवं
अनुसंधान केंद्र सकरा जिला-दुर्ग
छत्तीसगढ़

फसल की कटाई से भण्डारण के बाद तक बीज व अनाज को क्षति पहुंचाने में कीट अहम् भूमिका निभाते हैं। इसलिए फसल की कटाई के समय से ही कीट प्रकोप को कम करने के उपाय को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके अतिरिक्त हमें कटाई, गुड़ाई एवं ढुलाई में प्रयुक्त यंत्रों व साधनों को कीट मुक्त रखना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि फसल कटने के बाद वर्षा या अन्य कारणों से बीज व अनाज भीगे नहीं क्योंकि भीगे हुए अनाज व बीजों में कीटों का प्रकोप अधिक होता है।

बीज व अनाज को क्षति पहुंचाने वाले कीट, हानिकारक अवस्था तथा प्रभावित फसल–

कीट का नाम	हानिकारक अवस्था	प्रभावित फसल
छोटा छिद्रक	वयस्क एवं लारवा	गेहूं, जौ, मक्का, धान
सूंड वाली सुरसुरी	वयस्क एवं लारवा	गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार
खपरा बीटल	लारवा	दालें, तिलहन, ज्वार, मक्का
आटे का कीट	लारवा एवं वयस्क	गेहूं, चावल, तिलहन, जौ
दालों का डोरा	लारवा	दालें, लोबिया, मटर, चना
अनाज का पतंगा	लारवा	गेहूं, जौ, ज्वार, तिलहन
चावल का पतंगा	लारवा	सूखे फल, सब्जियों के बीज

बीज तथा अनाज भण्डारण

<u>भण्डारण को कीट मुक्त रखने के प्रमुख समुचित उपाय –</u>

भण्डारण से पूर्व –

भण्डारण से पूर्व भण्डारण पात्र तथा भण्डारण कक्ष को अच्छी तरह सुखाए ताकि नमी की मात्रा 10 प्रतिशत उससे कम रह जाए।

भण्डारण से पूर्व कमरे या गोदाम की सफाई एवं सुराखों एवं दरारों को गीली मिट्टी या सीमेंट लगाकर बन्द कर दें।

भण्डारण से पूर्व चार मीटर मैलाथियान या डी.जी.वी.पी. को 100 ली0 पानी में (4 मि0ली0 कीटनाशी एक ली0 पानी में) घोलकर हर जगह छिड़काव करें।

बीज रखने से पूर्व बोरियों को गर्म पानी में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट के लिए भिगोएं अथवा बोरियों को 40 मि0 ली0 मैलाथियान 50 ई.सी प्रतिली0 पानी के घोल में भिगोकर छाया में सुखाने के पश्चात् ही बीज भरें।

भण्डारण से पहले अनाज या बीज में कीड़े की जांच कर लें, यदि कीड़ा लगा है तो बीज या अनाज को एलुमिनियम फॉस्फाइड द्वारा प्रधूमित कर लेना चाहिए।

भण्डारण के पश्चात्–

अगर बीज की बुवाई अगली फसल में करनी हो तो बीजों का 6 मि0ली0 मैलाथियान 500 मि0ली0 पानी में घोलकर प्रति क्विंटल बीज दर से उपचारित करके एवं छाया में सुखाकर भण्डारण करें।

बीज का आवरण प्रधूमन एलुमिनियम फॉस्फाइड 6.0–9.0 ग्रा0 (2 से 3 गोली) प्रति टन बीजदर से तथा गोदाम का प्रधूमन 4.5–6.0 (1.5–2 गोली) प्रति घनमीटर से करें।

रासायनिक कीटनाशकों के अलावा नीम बीज पाउडर या नीम तेल का उपयोग घरेलू स्तर भण्डारण के लिए उपयोगी है।

भण्डार गृह को 15 दिन में एक बार अवश्य देखना चाहिए, यदि कीट की उपस्थिति हो तो उचित कीटनाशी का छिड़काव करें। प्रकोप की शुरूआत होने पर 40 मि0ली0 डी.डी. वी.पी. प्रति0ली0 पानी में घोल बनाकर बोरियों तथा भण्डार ग्रह की दीवारें तथा फर्श पर छिड़काव करें।

सावधानियाँ –

प्रधूमन के दौरान कीटनाशी को खुले हाथों से न छुएं।

प्रधूमन स्वयं न करके प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा करवायें।

एलुमिनियम फॉस्फाइड का इस्तेमाल मास्क पहनकर करना चाहिए।

एलुमिनियम फॉस्फाइड का प्रधूमन रिहायशी स्थान से दूर करना चाहिए तथा वह स्थान खुला होना चाहिए।

प्रधूमन हमेशा वायु अवरोधी गोदाम, कक्ष या पात्र में ही करना चाहिए।

प्रधूमन कभी भी सोने वाले कमरे में नहीं करना चाहिए तथा यही सावधानी पशुओं के लिए रखनी चाहिए।

बीज तथा अनाज भण्डारण